RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 11 अगस्त 2023 वर्ष 05 अंक 107 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 150 करोड़

मुंबई : खुले वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए महाराष्ट्र अनुसंधान, विकास और प्रशिक्षण प्रबोधिनी (अमृत) की स्थापना की गई है। संस्था के माध्यम से ईडब्ल्यूएस की उन्नति के लिए शैक्षिक योजनाएं, स्व-रोजगार प्रशिक्षण और नौकरी तलाशने वाले युवाओं के लिए यूपीएससी और एमपीएससी पाठ्यक्रमों शुरू करने के लिए संस्था को डेढ़ सौ करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

यह जानकारी उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी। अमृत संस्था की दिक्कतों और भविष्य की योजनाओं की समीक्षा के लिए उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सह्याद्रि अतिथिगृह में एक बैठक का आयोजन किया गया। अमृत संस्था के प्रभावी संचालन हेतु प्रबंध निदेशक एवं अन्य पदों का सृजन किया गया है। प्रबंध निदेशक के पद के अलावा शेष मनुष्यबल की भर्ती बाहरी प्रणाली से की जानी चाहिए। संगठन के माध्यम से खुले वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं के लिए उद्योग, व्यवसाय, रोजगार, उच्च शिक्षा, विदेश में उच्च शिक्षा, व्यक्तित्व विकास सहित सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं क्रियान्वित की जानी चाहिए इसमें महाराष्ट्र राज्यसेवा, केंद्रीय लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में चुने गए उम्मीदवारों को विद्या वेतन, कौशल विकास के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने, आर्थिक विकास के लिए स्वयं रोजगार प्रोत्साहन और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर युवाओं को स्वावलंबी बनाने के कार्यक्रम चलाए जाएं। अमृत संस्था के प्रबंध निदेशक विजय जोशी ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्था की भावी योजनाओं की जानकारी दी।

म्हाडा ने 436 मिल मजदूरों को दी घर की चाभी

मुंबई। मिल मजदूरों की वर्ष 2020 में निकली लॉटरी का तीन साल के लंबे इंतजार के बाद गुरुवार को उन्हे उनके घरों की चाभियां दी गई। मिल मजदूरों को तीन साल बाद मिले घर की खुशी देखने जैसी थी। मिल मजदूरों को घर दिलाने के लिए भाजपा विधायक सुनील राणे पिछले दो सालो से मेहनत कर रहे है जिसका फल अब जाकर मिल मजदूरों को मिला ।

म्हाडा के मुंबई हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा वर्ष 2020 में मिल श्रमिकों के लिए निकाले गए सार्वजनिक ड्रा में बॉम्बे डाइंग और श्रीनिवास मिल ले मजदूरों को संपत्ति और फ्लैटों की स्टांप ड्यूटी का भुगतान करने वाले 436 सफल मिल मजदूरों को उनके घर की चाभियां दी गईं। इस मजदूरों को चाभिया देते समय भाजपा विधायक सुनील राणे राणे, कालिदास कोलंबकर और मुंबई बोर्ड के मुख्य अधिकारी श्री. मिलिंद बोरिकर उपस्थित थे उन्होने बताया कि तीसरे चरण के तहत यह मजदूरी को उनके घर की चाभियां दी जा रही है। अब तक 3894 सफल पात्र मिल श्रमिकों/उत्तराधिकारियों में से 856 को फ्लैटों की चाबियां आवंटित की जा चुकी हैं। राणे ने कहा कि मुंबई बोर्ड और श्रम विभाग द्वारा लॉटरी में शेष 3038 मिल श्रमिकों/उत्तराधिकारियों की पात्रता निर्धारित करने का काम तेजी से चल रहा है। इन मिल श्रमिको को अथवा उनके उत्तराधिकारियों की पात्रता का शीघ्र निर्धारण कर दशहरा तक उन्हें फ्लैटों की चाबियाँ देने का प्रयास किया जा रहा है।

राघव चड्ढा पर रामदास अठावले का बड़ा बयान-

'किसी की सदस्यता खत्म करने का अधिकार सरकार के...'

मुंबई : चार सांसदों ने राघव चड्ढा पर नियमों का उल्लंघन कर उनकी सहमति के बिना चयन समिति के गठन के लिए उनका नाम प्रस्तावित करने का आरोप लगाया है. इस पर आप सांसद ने कहा कि बीजेपी उनकी आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है.

राघव चड्ढा के बयान पर अब केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि किसी की सदस्यता खत्म करने का अधिकार सरकार को बिल्कुल नहीं है. ये अधिकार संसद के सचिव का होता है. नियम के जो लोग गलत काम करते हैं, ऐसे लोगों को सजा देने या सदस्यता रद्द करने का अधिकार पार्लियामेंट के सेक्रेटरी के पास होता है. रामदास अठावले ने कहा कि आज तक कई सांसदों को डिस्क्वालिफाई किया था लेकि बाद में कोर्ट से क्लीयरेंस मिलने के बाद वो संसद में आए हैं. एनसीपी के लक्षद्वीप के सांसद फैजल संसद में आए. राहुल गांधी भी डिस्क्वालिफाई हुए और बाद में संसद आए. ऐसे में सरकार का इरादा ऐसा बिल्कुल नहीं है. राघव चड्ढा के आरोप में बिल्कुल तथ्य नहीं हैं. जो गलत काम करेंगे या हमेशा हंगामा करेंगे उन पर कार्रवाई करने का अधिकार चेयर को होता है. अपना बर्ताव ठीक करना चाहिए, रोज हंगामा करना ठीक नहीं है.

कर चोरी रोको, बढ़ाओ राजस्व: अजित पवार

वित्त मंत्री का अधिकारियों को निर्देश...

मुंबई : अभी हॉल ही में वित्त विभाग की कमान संभालने वाले अजित पवार ने राज्य का राजस्व बढ़ाने की दिशा में पहल शुरू की है। गुरुवार को सह्याद्री गेस्ट हाउस में राजस्व वृद्धि को लेकर आयोजित बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए राजस्व बढ़ोतरी जरूरी है। हालांकि नागरिकों पर बोझ डालने के बजाय कर चोरी रोककर राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी, वैट, स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क, राज्य उत्पादन शुल्क और परिवहन विभाग को योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुए कर संकलन बढ़ाना चाहिए। वित्त और उपमुख्यमंत्री ने राजस्व वृद्धि की नई संकल्पना को पेश करने की अपील की। बैठक में राज्य की आर्थिक स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही जीएसटी, वैट, स्टाम्प और पंजीकरण शुल्क, राज्य उत्पादन शुल्क, परिवहन, ऊर्जा, उद्योग, राजस्व अधिकारियों के साथ भी बैठक की। उन्होंने अधिकारियों से राजस्व वृद्धि के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने के लिए संबंधितों को निर्देश दिए गए। अजित पवार ने बैठक में यह भी कहा कि कर संग्रह बढ़ाने के सुझावों और उपायों का अध्ययन करने के लिए पांच वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति नियुक्त की जानी चाहिए।

सभी पदों के लिए एक शुल्क वसूला जाए

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कुछ विभागों की तरफ से जारी भर्ती विज्ञापन में यह बात सामने आई है कि हर पद के लिए अलग-अलग परीक्षा शुल्क लिया जाता है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी संबंधित अधिकारियों को सुझाव दिया कि यह परीक्षार्थियों के साथ अन्याय है और एक ही विज्ञापन में सभी पदों के लिए एक ही शुल्क लिया जाना चाहिए।

करदाताओं की असुविधाओं को दूर किया जाए

50 एसटी स्थानकों का हो कायाकल्प

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के पांच सौ से अधिक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, सुधार और सौंदर्यीकरण का अभियान शुरू किया है। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य में एसटी स्थानकों का उसी तर्ज पर पुनर्विकास किया जाना चाहिए और पहले चरण में कम से कम 50 एसटी स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया जाना चाहिए।

वित्त मंत्री ने कहा कि राजस्व लाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ-साथ कार्यालय में कर अदा करने आने वाले नागरिकों को भी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। करदाताओं की असुविधाओं को दूर किया जाए। परिवहन विभाग को ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली के कामकाज में कमियों को दूर करना चाहिए।

संपादकीय / लेख

निहित स्वार्थों में गुम होता जनहित...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारत का एक सामान्य नागरिक अधिक से अधिक कितने राजनीतिक दलों से परिचित होता है? यह माना जा सकता है कि मुख्य दलों से सभी परिचित होते हैं। अनेक स्थानों पर क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय दलों से अधिक चर्चित होते हैं। हाल में 26 और 38 राजनीतिक दलों की हुई दो अलग-अलग बैठकें भारत की राजनीति में अधिकांश दलों की स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट कर देती हैं। वर्तमान समय में कौन दल, किसके साथ, कब गठबंधन कर लेगा और कितने दिन बाद फिर वापस नहीं लौट जाएगा, इस पर राजनीति के बड़े-बड़े पंडित भी कुछ कहने में असमर्थ होंगे। इस समय भारतीय राजनीति में सत्ता के लिए सिद्धांतों को नकारने वालों में सामान्य जन में सबसे अधिक चर्चित नाम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का है। वह राजनीति में जेपी आंदोलन के समय उभरे थे। वैसे नीतीश कुमार के ऊपर अपार धन संग्रह के ऐसे आरोप कभी नहीं लगे, जो उत्तर प्रदेश और बिहार के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों पर लगातार लगते रहे, लेकिन उन्होंने भी उन्हीं की तरह जेपी के सिद्धांतों को पूरी तरह नकार दिया। जेपी के इन तीनों शिष्यों से अपेक्षाएं तो बहुत बड़ी-बड़ी उभरी थीं, लेकिन सत्ता में पहुंचकर ये वही सब भूल गए, जिसके लिए उन्होंने लाठियां खाई थीं।

दलगत राजनीति में राष्ट्र और अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के प्रति निर्बाध समर्पण करने वालों की उपस्थिति जिस तेजी से पिछले चार-पांच दशकों में घटी है, उससे दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले सामान्य जन भी अवगत हो चुके हैं। वैसे आजादी के बाद के तीन दशकों में ही इसकी शुरूआत हो गई थी, लेकिन उसके उपरांत इसकी गति तेज हो गई। आज इसमें क्षेत्रीयता, जातिवाद, परिवारवाद और मुस्लिम समुदाय की वोट बैंक के रूप में स्थापना जैसे तत्वों के शामिल हो जाने से स्थिति भयावह हो गई है।

उच्च संवैधानिक पदों पर पहुंचे लोग जिस तेजी से धनवृद्धि और वैभव में लिप्त हो गए, जनहित उसी तेजी से पीछे चला गया। सरकारी बंगलों तक से ऐसा लगाव पैदा हुआ कि माननीयों के लिए स्वजनों को उत्तराधिकारी बनाना ही एकमेव लक्ष्य बन गया। आज छोटे-बड़े नेताओं के ही नहीं, बल्कि नेताओं के सहायकों के घर करोड़ों की नकदी मिलती है तो किसी को आश्चर्य नहीं होता है। आइएएस अधिकारियों के घरों से जब 15-20 करोड़ की नकदी बरामद की जाती है तब व्यवस्था में नैतिकता की खोज करने या वैसी अपेक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। इसमें सजा तो अपवादस्वरूप कुछ को ही मिली, मगर वे भी देश की राजनीति से अलग नहीं हुए। आज अपने राजनीतिक दलों को परिवार को समर्पित कर निश्चिंत होकर बिना किसी लज्जा या शर्म के राजनीति में मुखर बने हुए हैं। अपने को कांग्रेस की विरासत और गांधी के सिद्धांतों का उत्तराधिकारी घोषित करने वाले भी भ्रष्ट और सजायाफ्ता अपराधियों का आशीर्वाद बिना हिचक ले रहे हैं। जेपी आंदोलन ने देश को नई आशा और मूल्यों पर राजनीति करने का जो मार्ग दिखलाया था, उससे निकले उनके शिष्यों ने परिवारवाद और धन-संग्रह के लालच में उसे पूरी तरह से नकार दिया।

वर्ष 2011 में अन्ना आंदोलन ने देश में एक बार फिर से नई संभावनाओं की ज्योति को प्रस्फुटित कर दिया था। देश को लगा कि उसे ऐसा नेता मिला है, जो कसम खाकर कहता है कि उसे न बंगला चाहिए, न सरकारी गाड़ी चाहिए, न सुरक्षा चाहिए, न ही कोई विशेषाधिकार या उसकी व्यवस्था चाहिए। आज जब विरोधी पक्ष ग्यारह साल के वीडियो दिखाता है तो लोग हतप्रभ रह जाते हैं कि क्या उनके साथ ऐसा भी किया जा सकता है! जनता की समझ और स्थिति का विश्लेषण करने की क्षमता का इतना बड़ा मजाक किसी अन्य ने कभी नहीं बनाया।

स्वार्थ, संग्रह और स्वजन के प्रति समर्पित इस राजनीतिक युग में अपवाद छोड़कर स्वार्थ रहित जन सेवा तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण कहीं खो गया है। जो लोग खुलेआम जाति, पंथ या क्षेत्रीयता की राजनीति करते हैं, वे बिना हिचक संविधान की दुहाई भी देते रहते हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई में शिवसेना विधायक के बेटे ने गन पॉइंट पर बिजनेसमैन को किया किडनैप...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुंबई में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सीएम एकनाथ शिंदे गुट के विधायक प्रकाश सुर्वे के बेटे राज सुर्वे और अन्य के खिलाफ अपहरण और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि विधायक के बेटे ने अपने 10-12 लोगों के साथ एक म्यूजिक कंपनी के उएड राजकुमार सिंह को गन पॉइंट पर लेकर उसका अपहरण कर लिया। बाद में पुलिस ने पीछा कर बचाया है।

विधायक के दफ्तर ले गए किडनैपर

पीड़ित राजकुमार ने बताया कि उन्हें 9 अगस्त को गोरेगांव ईस्ट स्थित चिंतामणि क्लासिक कॉम्प्लेक्स से मारपीट कर किडनैप किया गया। किडनैप करने वाले उन्हें विधायक प्रकाश सुर्वे के कार्यालय ले गए। उनका कहना है उन्होंने आदि शक्ति प्राइवेट लिमिटेड म्यूजिक कंपनी के मालिक मनोज मिश्रा से बिजनेस लोन लिया था। विधायक के बेटे राज सुर्वे ने उन्हें इस लोन को खत्म करने के लिए कहा। इस बात की धमकी भी दी कि वे किसी को न बताएं।

8 करोड़ का कर्ज विवाद की जड़

इस मामले में 8 करोड़ रुपए का ऋण शामिल है, जो आदिशक्ति फिल्म्स नामक एक यूट्यूब चैनल के मालिक को इसलिए दिया गया था कि इसका उपयोग सामग्री बनाने के लिए किया जाएगा। मालिक पर पैसे नहीं लौटाने और इस घटना को एग्रीमेंट रद्द करने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप है।

कर्मचारी की सूचना पर हरकत में आई पुलिस...

सीसीटीवी फुटेज में 10-15 लोगों का एक समूह जबरन एक कार्यालय में प्रवेश कर रहा है। कर्मचारियों के साथ मारपीट कर रहा है और एक व्यक्ति को जबरन ले जा रहा है। इसके बाद अपहरणकर्ता पीड़ित को दो कारों में लेकर चले गए। कार्यालय के एक कर्मचारी ने तुरंत पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन किया और घटना की सूचना दी। पुलिस तुरंत हरकत में आई और पीछा करने के बाद उत्तरी मुंबई के दहिसर (पूर्व) में वाहन को पकड़ने में कामयाब रही।

शिंदे के हेलीकॉप्टर को खराब मौसम के कारण मुंबई की ओर भेजा गया, सुरक्षित उतरा

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मुंबई से सातारा ले जा रहे राज्य सरकार के एक हेलीकॉप्टर को खराब मौसम के कारण बृहस्पतिवार दोपहर को महानगर के जुहू की ओर मोड़ दिया गया, जहां यह सुरक्षित उतर गया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाद में मौसम की स्थिति में सुधार होने पर हेलीकॉप्टर ने अपराह्न साढ़े तीन बजे पश्चिमी महाराष्ट्र में शिंदे के गृह जिले सातारा के लिए उड़ान भरी। डीजीसीए के अधिकारी ने कहा, ''मुख्यमंत्री के साथ महाराष्ट्र सरकार का ईसी 145 श्रेणी का हेलीकॉप्टर अपराह्न साढ़े 12 बजे राजभवन हेलीपैड (दक्षिण मुंबई में) से डेयर हेलीपैड (सातारा शहर के पास) के लिए रवाना हुआ। रास्ते में हेलीकॉप्टर को खराब मौसम का सामना करना पड़ा और इसे वापस जुहू हवाई अड्डे (मुंबई में) की ओर मोड़ दिया गया तथा यह सुरक्षित रूप से उतर गया।''मुख्यमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि शिंदे को ले जाने वाला हेलीकॉप्टर सातारा के सैनिक स्कूल हेलीपैड पर उतरा।

ऋण न चुकाने पर फ्लैट कुर्की की कार्रवाई दौरान एक व्यक्ति ने खुदकुशी का प्रयास किया

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक व्यक्ति ने उस वक्त उर्वरक पीकर अपनी जान देने की कोशिश की जब कथित रूप से ऋण न चुकाने पर राजस्व अधिकारी उसका फ्लैट कुर्क करने के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि महात्मा फुले चौक पुलिस ने श्याम सांगवे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 309 (आत्महत्या का प्रयास) और 186 (लोक सेवक के कार्यों के निर्वहन में बाधा डालना) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, सांगवे ने कल्याण के रामबाग में मकान के लिए एक लघु वित्त संस्थान से ऋण लिया था। जब बकाया राशि 17.58 लाख रुपये हो गई, तो ऋण देने वाले संस्थान ने उसके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की। मार्च 2023 में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने स्थानीय तहसीलदार को बकायेदार की संपत्ति कुर्क करने का निर्देश दिया। प्राथमिकी के अनुसार, राजस्व अधिकारी 13 जून को संपत्ति कुर्क करने के लिए सांगवे के घर गए थे, लेकिन ऋण चुकाने का समय मांगने पर कार्रवाई को 28 जून तक टाल दिया। प्राथमिकी में बताया कि जब राजस्व अधिकारी पुलिस और लघु वित्त कंपनी के कर्मचारियों के साथ नौ अगस्त को फिर उसके घर गए तो सांगवे ने कथित तौर पर कार्रवाई का विरोध किया और उन्हें धमकी भी दी। इसके बाद सांगवे ने खुद को घर में बंद कर लिया। जब टीम घर में दाखिल हुई तो उसने पाया कि सांगवे ने कुछ उर्वरक पीकर जान देने की कोशिश की।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 11 अगस्त 2023

पांच साल पुराने मामले में दो पुलिसकर्मियों पर प्राथमिकी... वांछित आरोपी की फर्जी मुठभेड़ में हत्या का आरोप

महाराष्ट्र : चोरी के कई मामलों में वांछित आरोपी जोगिंदर राणा की 2018 में कथित फर्जी मुठभेड़ में हत्या, सबूत गायब करने और आपराधिक साजिश के आरोप में दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ पालघर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के दो हफ्ते बाद बुधवार को मामला दर्ज किया गया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि घटना की जांच के लिए ठाणे पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाए। हाईकोर्ट ने यह भी आदेश दिया था कि चार सप्ताह के भीतर अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी जाए।

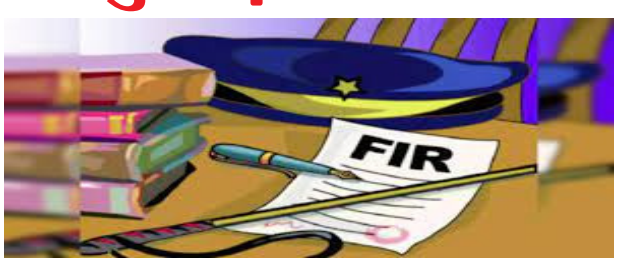

अदालत ने जोगिंदर राणा के भाई सुरेंद्र राणा द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया। याचिका में दावा किया गया था कि कथित फर्जी मुठभेड़ पुलिस नायक मनोज सकपाल और हेड पुलिस कांस्टेबल मंगेश चव्हाण ने की थी, जो महाराष्ट्र के पालघर जिले के नालासोपारा में स्थानीय अपराध शाखा से जुड़े थे। पहले की सुनवाई के दौरान, पालघर के पुलिस अधीक्षक ने एक हलफनामा दायर कर दावा किया गया था कि जोगिंदर राणा ने ही सबसे पहले पुलिस पर हमला किया था।

हलफनामे के अनुसार, 23 जुलाई, 2018 को चव्हाण और सकपाल पुलिस स्टेशन आ रहे थे, इस दौरान उन्होंने जोगिंदर को देखा। जब दोनों ने जोगिंदर को रोका तो उसने चाकू निकाल लिया और उन पर हमला करना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में चव्हाण ने जोगिंदर पर दो गोलियां चलाईं। जिसके बाद अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि चव्हाण और सकपाल को इलाज के लिए नालासोपारा इलाके के तुलिंज के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सुरेंद्र राणा के वकील दत्ता माने ने हाईकोर्ट को बताया था कि घटना के दौरान और बाद में सार्वजनिक और चश्मदीद गवाहों ने तस्वीरें खींची थीं और वीडियो क्लिप रिकॉर्ड की थीं, जिससे संकेत मिलता है कि पुलिस ने मृतक का ''फर्जी'' एनकाउंटर किया था। माने ने कहा कि सुरेंद्र राणा ने एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर महाराष्ट्र सरकार के साथ-साथ पुलिस महानिदेशक और पालघर के पुलिस अधीक्षक जैसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को कई अभ्यावेदन दिए थे।

पालघर में परिजनों के अंधविश्वास के सर्पदंश के मरीज की बिगड़ी हालत...

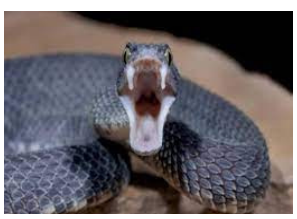

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक अस्पताल में सर्पदंश से पीड़ित एक आदिवासी व्यक्ति पर उसके परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर टोने-टोटके किए और इस दौरान व्यक्ति की तबीयत और खराब हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद मरीज को इलाज के लिए पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली के एक अन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। तलासरी तालुका के करजगांव निवासी सोमा ठाकरे को मंगलवार शाम को सांप ने काट लिया। उन्हें तलसारी तालुका के एक ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। जिला सिविल सर्जन डॉ. संजय बोडाडे ने बुधवार को बताया कि मरीज के एक रिश्तेदार ने चिकित्सकीय दल के विरोध के बावजूद कथित तौर पर उन्हें ''पवित्र जल (अंधविश्वास के तहत उन्हें ठीक करने के लिए) देने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि रिश्तेदारों ने इसका वीडियो भी रिकॉर्ड किया और इसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. प्रदीप भारती ने संवाददाताओं को बताया कि मरीज को रक्तस्राव होता रहा और उसकी हालत बिगड़ गई। चिकित्सकों ने कहा कि परिजन उसे दादरा और नगर हवेली के एक अस्पताल ले गए। तलासरी अस्पताल के एक चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में काम करने के दौरान होने वाले जोखिम के कारण उन्होंने अस्पताल के लिए पुलिस सुरक्षा मांगी है।

आरे में शुरू की बालवाड़ी...

मुंबई : आरे में बालवाड़ी शुरू होने से स्थानीय लोगो में खुशी की लहर छा गई है।आरे कॉलोनी में स्मार्ट आंगनवाड़ी शुरू करने की मांग स्थानीय भाजपा को पूर्व नगरसेविका प्रीति साटम ने कौशल्य विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा से की थी। लोढ़ा ने आरे कॉलोनी के यूनिट 7 देवी पाड़ा आदिवासा पाड़ा में आरे कॉलोनी के यूनिट 31 और 32 सहित पूरे आरे कॉलोनी के 13 स्थानों पर स्मार्ट आंगनवाड़ी की सुविधा म्हाडा झोपड़ पट्टी सुधार मंडल के द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

महाराष्ट्र में लागू हो शक्ति कानून

महिला सुरक्षा को लेकर राज्यपाल से मिला युवती सेना का प्रतिनिधिमंडल

मुंबई : राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए जाने, शक्ति कानून को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर युवती सेना (ठाकरे गुट) के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की। राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि मणिपुर में ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिससे भारत का सिर शर्म से झुक गया। महाराष्ट्र में भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा, अत्याचार, महिलाओं के लापता होने की घटनाएं बढ़ी हैं। हर जगह महिलाओं में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। युवती सेना ने राज्यपाल से इन घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की। युवती सेना तथा महिला आघाड़ी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उचित समाधान नहीं निकाला गया तो शिवसेना स्टाइल में सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर युवा सेना की कार्यकारणी सदस्य शीतल सेठ देवरुखकर, सुप्रदा फातर्पेकर , राजोल पाटिल, धनश्री कोलगे, उपसचिव युवासेना रेणुका विचारे, लायना रामगिरी युवती विभागधिकारी मलबार हिल, वैष्णवी चव्हाण ठाकुर, प्रियंका गोकर्णे मुंबई संयोजक, विधानपरिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, विशाखा राऊत, मीना कांबली, ज्योति ठाकरे, संजना घाडी, पूर्व नगरसेविका प्रवीणा मोरपरकर, अंजली नाईक, पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव, दीपमाला बडेकर, पद्मावती शिंदे, युगंधरा सालेकर महिला, संतोष शिंदे आदि उपस्थित थे।

हड़ताल खत्म पर 'बेस्ट के निजी संचालकों के कई कर्मचारी काम पर नहीं लौटे... !

मुंबईः बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं यातायात (बेस्ट) के निजी संचालकों के कई कर्मचारी हड़ताल वापस लिए जाने के एक दिन बाद बुधवार सुबह काम पर वापस नहीं लौटे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बेस्ट के एक प्रवक्ता सुनिल वैद्य ने बताया कि पट्टे पर ली गई लगभग 85 प्रतिशत बसों का परिचालन निजी संचालकों के चालकों द्वारा किया जा रहा है। वैद्य ने बताया कि सुबह 10 बजे तक की जानकारी के अनुसार, बेड़े में शामिल 3,040 बसों में से 97.5 फीसदी बसों का संचालन किया गया। इनमें पट्टे पर ली गई और बेस्ट के स्वामित्व वाली बसें शामिल हैं।

वैद्य ने दावा किया कि निजी बस संचालकों के सभी कर्मचारी बस डिपो में काम पर लौट आए हैं। हालांकि, उन्होंने उनकी सटीक संख्या नहीं बताई। उन्होंने कहा, ''निजी बस संचालकों के कर्मचारियों द्वारा चलाई जाने वाली 100 फीसदी बसें जल्द ही सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। मुंबई और पड़ोसी क्षेत्रों में सार्वजनिक बस सेवाएं प्रदान करने वाली बेस्ट ने कुछ ठेकेदारों से पट्टे पर 1,600 से अधिक बसें किराए पर ली हैं, जिसके तहत वाहन का स्वामित्व, रखरखाव, ईंधन और चालक का प्रबंधन निजी संचालकों के जिम्मे है। निजी संचालकों के चालक समेत तमाम कर्मचारी वेतन वृद्धि और बेस्ट कर्मचारियों के बराबर वेतन देने समेत अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। हालांकि, हड़ताल के दौरान बेस्ट ने अपने चालकों की मदद से पट्टे पर ली गईं 600 से अधिक बसों का परिचालन जारी रखा। प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार दोपहर को घोषणा की थी कि सोमवार रात महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बैठक के बाद उन्होंने दो अगस्त से जारी हड़ताल को वापस ले लिया है। मीडिया में जारी एक बयान में उन्होंने यह भी दावा किया कि शिंदे ने वेतन वृद्धि सहित उनकी मांगों को स्वीकार कर लिया है और उन्हें पूरा करने का वादा किया है।

लोकल ट्रेन में तकनीकी खराबी के चलते उपनगरीय सेवाएं प्रभावित...

मुंबई : मुंबई में मध्य रेलवे की मुख्य लाइन पर लोकल ट्रेन में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण बुधवार सुबह उप नगरीय सेवाएं 10 से 15 मिनट की देरी से चलीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अलावा एक एक्सप्रेस ट्रेन की चेन खींचे जाने और एक महिला यात्री द्वारा लोकल ट्रेन के मोटरमैन के केबिन (जहां से लोको पायलट ट्रेन को चलाता है) में जबरन यात्रा करने के प्रयास के चलते भी ट्रेन सेवा प्रभावित हुई। मध्य रेलवे के मुख्य जन संपर्क अधिकारी डॉ. शिवराज मानसपुरे ने 'बताया कि दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) की ओर जाने वाली एक फास्ट लोकल ट्रेन तकनीकी खराबी के कारण भांडुप-नाहुर खंड में 20 मिनट तक रुकी रही।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा सोलापुर-सीएसएमटी एक्सप्रेस की चेन खींचे जाने के कारण ट्रेन पड़ोसी जिले ठाणे के बदलापुर स्टेशन पर खड़ी हो गई। अधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में ठाणे के दिवा स्टेशन पर एक महिला यात्री मुंबई जाने वाली लोकल ट्रेन के मोटरमैन के केबिन में जबरन चढ़ गई, जिसके कारण सुबह छह बजकर 52 मिनट से सुबह सात बजकर पांच मिनट तक ट्रेन बाधित रहीं। उन्होंने कहा, ''हम यात्रियों से अपील करते हैं कि वे ट्रेन की चेन न खींचें और मोटरमैन या गार्ड के केबिन में न चढ़ें।

ठाणे में चावल मिल प्रतिनिधि से रिश्वत लेना पड़ा भारी... क्लर्क गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र में ठाणे जिला आपूर्ति कार्यालय में 50 वर्षीय क्लर्क को चावल मिल के एक प्रतिनिधि से 2,500 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार-रोधी ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि शिकायतकर्ता विभिन्न स्रोतों से प्राप्त चावल को पॉलिश करने और फिर उसे वितरकों को आपूर्ति करने का काम करता था। इसमें बताया गया है कि प्रसंस्कृत चावल की आपूर्ति से पहले इसका निरीक्षण जिला आपूर्ति कार्यालय के अधिकारियों द्वारा किया जाता है। आरोपी की पहचान संतोष प्रधान के रूप में हुई है, जो प्रसंस्कृत चावल का निरीक्षण करने वाले अधिकारियों में से एक है। विज्ञप्ति में बताया गया कि आरोपी ने चावल मिल प्रतिनिधि से प्रसंस्कृत चावल को गोदामों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक प्रमाणपत्र दिए जाने के बदले में कथित तौर पर 5,000 रुपये मांगे। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने कहा कि चावल मिल प्रतिनिधि ने एसीबी की ठाणे इकाई में शिकायत दर्ज कराई, जिसने मंगलवार को कलेक्टरेट परिसर में स्थित जिला आपूर्ति कार्यालय में आरोपी को 2,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। एसीबी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ ठाणे नगर पुलिस थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

महात्मा गांधी के परपोते को हिरासत में लिया गया, जानें क्या है मामला

मुंबई : महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने बुधवार को दावा किया कि 'भारत छोड़ो दिवस मनाने के लिए मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान जाते समय उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। तुषार गांधी ने ट्वीट किया, ''नौ अगस्त को 'भारत छोड़ो दिवस मनाने के लिए घर से निकलने के बाद मुझे सांता क्रूज पुलिस थाने में हिरासत में लिया गया। ऐसा स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार हुआ है।

मुझे अपने दादा-दादी बापू (महात्मा गांधी) और बा (कस्तूरबा गांधी) पर गर्व है जिन्हें इसी ऐतिहासिक तारीख पर अंग्रेजों ने हिरासत में लिया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तुषार गांधी मैदान पहुंच गये हैं। गांधी ने कहा, मुझे बताया गया कि मैं कानून-व्यवस्था की स्थिति के लिए खतरा हूं, क्योंकि मैं गिरगांव चौपाटी से अगस्त क्रांति मैदान तक शांतिपूर्ण मार्च में शामिल होने के लिए सुबह घर से निकला था।

दोस्त की शादी में जाने की बात कहकर घर से बाहर गई, वापस नहीं आई

मुंबई : मानखुर्द के ज्योतिलिंग्नार नगर में रहने वाली रोहिणी जाधव नई मुंबई के वाशी मनपा अस्पताल में ठेके पर काम करती थी। १४ नवंबर २०१८ को रोहिणी अपने एक दोस्त की शादी में जाने की बात कहकर घर से बाहर गई थी। लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं आई। जिसके बाद उसके घरवालों ने रोहिणी की मिसिंग रिपोर्ट मानखुर्द पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि रोहिणी का उसके साथ काम करने वाले दोस्त सुनील शिर्वेष्ठ के साथ प्रेमसंबंध चल रहा था, साथ ही इस बात का भी खुलासा हुआ कि उसके खाते से ६५ हजार रुपए निकाले गए थे। पुलिस द्वारा जांच किए जाने पर इस बात का पता चला कि यह पैसा कोपरखैरने में रहने वाले राम जाधव ने निकाले थे। इसके साथ ही दो दिनों से राम और सुनील में लगातार बात हो रही थी। इसके आगे पुलिस को जानकारी मिली कि राम अपने मूल गांव सातारा भाग गया है, जिसके बाद पुलिस ने सुनील और राम को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। कड़ाई से पूछताछ में दोनों ने रोहिणी की हत्या किए जाने की बात कबूल कर ली, साथ ही इस हत्याकांड में ड्राइवर विजय सिंह के भी लिप्त होने की बात सामने आई। जिसके बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों आरोपियों ने रोहिणी को सुनील के गांव रायगड जिले के माणगाव स्थित शिरसाड लेकर गए थे। वहां जाने के बाद उन्होंने रोहिणी के सर पर फावड़ा से मारकर उसे बेहोश कर दिया और फिर साड़ी से गला दबाकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद दो दिन पहले खोदे गए गड्ढे में लाश को दफना दिया। पुलिस ने आगे बताया कि दरअसल, रोहिणी द्वारा अपने प्रेमी सुनील पर लगातार शादी के लिए दबाव डाला जा रहा था। इसी बात को लेकर आए दिन दोनों में झगड़ा होता था। आखिर तंग आकर सुनील ने अपने दोस्तों की मदद से रोहिणी की हत्या कर दी। मानखुर्द पुलिस रायगड जाकर शव को बरामद किया। अब इस मामले में मानखुर्द पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ सबूत पेश किया है। अब सभी को कोर्ट के पैष्ठसले का इंतजार है।

मेट्रो 14 के भी निजीकरण की चर्चाएं तेज...

मुंबई : सड़कों से टोल के जरिए दोनों हाथों नोट बटोरने के अलावा सरकार बेस्ट व अस्पतालों में निजीकरण को बढ़ावा देने का सरकारी प्रयास तेज होता दिख रहा है। इसी बीच अंबरनाथ-बदलापुर-महापे के लाखों निवासियों को राहत देने के लिए एमएमआरडीए के मार्फत साकार की जा रही मुंबई मेट्रो १४ के भी निजीकरण की चर्चाएं तेज होने लगी हैं।

मजेंटा लाइन के नाम से पहचानी जानेवाली मेट्रो- १४ बदलापुर, अंबरनाथ, निलजे, शिल फाटा, महापे, घनसोली के क्षेत्रों को पार करेगी और अंतिम ठाणे क्रीक को पार करके कांजुरमार्ग में ग्रेटर मुंबई की सीमा तक पहुंच जाएगी। कुल मिलाकर इस कॉरिडोर में १५ स्टेशन होंगे, जिनमें से १३ एलिवेटेड, एक अंडरग्राउंड और एक ग्रेड पर होगा।

गौरतलब हो कि २०१४ में इस मेट्रो रूट के शुरू होने से पहले की गई स्टडी के आधार पर अनुमान लगाया गया था कि २०२१ में ६.६५ लाख यात्री इस मेट्रो का इस्तेमाल करेंगे और यात्रियों की सुविधा के लिए कंपनी ने ६ रेकों वाली ट्रेन चलाने की बात कही थी, लेकिन फिलहाल मेट्रो रूट पर हर दिन चार कोचों वाली ३३८ फेरियां चलाई जा रही हैं, जिनमें प्रतिदिन ४.३५ लाख यात्री यात्रा करते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यदि कंपनी फेरियों की संख्या बढ़ाती है और छह कोचों वाली ट्रेनें चलाती है तो यात्रियों की संख्या और ज्यादा बढ़ सकती हैं। इसी के साथ अधिक से अधिक यात्री मेट्रो का उपयोग कर सकेंगे।

जलगांव में बीच सड़क पर बेरहमी से पीटा गया पत्रकार,

शिंदे गुट के विधायक पर लगा आरोप, राजनीति तेज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में जलगांव जिले के पसोरो इलाके में एक पत्रकार के साथ मारपीट काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। इसको लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें दिखाया गया है कि स्कूटर पर पीली टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति पर कुछ लोग लात-घूंसों से हमला कर देते हैं और उसे स्कूटर से गिरा जमीन पर लिटाकर साथ बेरहमी से मारपीट करते हैं।

विपक्ष का आरोप शिवसेना विधायक के लोगों ने किया हमला

पत्रकार महाजन ने आरोप लगाया है कि विधायक किशोर पाटिल के कार्यकताओं ने यह हमला किया है। साथ ही महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार और शिव सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने हमले की निंदा की और आरोप लगाया कि इसके पीछे स्थानीय शिवसेना विधायक किशोर पाटिल के गुंडे थे। हालांकि पाटिल ने आरोप से इनकार किया और कहा कि उनका इस घटना से कोई संबंध नहीं है, जब घटना हुई तो वह मुंबई में थे।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पत्रकार की शिकायत के आधार पर पचोरा पुलिस ने तीन-चार लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 323 और 506 आपराधिक धमकी के तहत गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों को नोटिस जारी किया है।

सुप्रिया सुले ने घटना की निंदा की

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने भी घटना की निंदा की और मांग की कि राज्य सरकार हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करे। साथ ही कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि इस कायरतापूर्ण हमले की निंदा करता हूं। लोग ऐसे अहंकारी विधायक और उनकी सरकार को जल्द ही उनकी जगह दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट है कि जिस राज्य में पत्रकारों की आवाज दबा दी जाती है और उन्हें पीटा जाता है, वहां आम आदमी का क्या होता है।

कांग्रेस का दावा- लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला उठाने पर किया गया हमला

कांग्रेस नेता ने कहा कि पत्रकार ने शिंदे सरकार पर सवाल उठाए थे और आठ साल की लड़की के लिए न्याय मांगा था, जिसके साथ दुष्कर्म किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई, लड़की किशोर पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र से थी। उन्होंने दावा किया कि घटना के बारे में पत्रकार महाजन की रिपोर्टिंग से किशोर पाटिल नाराज हो गए और उन्होंने उन्हें गंदी भाषा में गालियां दीं।

लड़ाई जारी रहेगी

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, संदीप महाजन ने कहा है कि चाहे किशोर पाटिल के कार्यकर्ता उन पर कितना भी हमला करें, वह अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। इस पिटाई में महाजन मामूली रूप से घायल हो गए। इस संबंध में महाजन ने पचोरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। वहीं उन्होंने दावा किया कि इससे पहले भी संदीप महाजन को फोन पर गाली-गलौज की गई थी।

पुलिस ने बार में मारा छापा महिलओं समेत 34 लोगों पर मामला दर्ज

एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले की भिवंडी तहसील में एक बार में छापेमारी के बाद 22 महिला वेटरों सहित 34 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जहां उन्होंने आरोपियों को कथित तौर पर अश्लील हरकतें करते हुए पाया। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन बुधवार रात रहनाल गांव में चलाया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि बार के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद, एक पुलिस टीम ने बुधवार रात करीब 9.45 बजे वहां छापा मारा और आरोपी को अश्लील हरकतें करते हुए पाया। उन्होंने बताया कि नौ ग्राहकों, 22 महिला वेटरों, बार के मालिक और दो प्रबंधकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

ठाणे में फीस वृद्धि को लेकर मनसे कार्यकताओं ने निजी स्कूल में की तोड़फोड़, 10 गिरफ्तार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर में फीस वृद्धि को लेकर एक निजी स्कूल में तोड़फोड़ करने के आरोप में पुलिस ने बुधवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कम से कम 10 कार्यकताओं को गिरफ्तार किया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हिल लाइन थाने में मामला दर्ज किया जा रहा है. अधिकारी ने कहा, ''फीस में कटौती की मांग कर रहे मनसे कार्यकताओं ने स्कूल परिसर में धावा बोल दिया और खिड़कियों के शीशे और परिसर में मौजूद अन्य सामग्री तोड़ दी. उन्होंने स्कूल के नाम वाले बोर्ड पर भी रंग पोत दिया.'' अधिकारी ने कहा कि पुलिस की एक टीम स्कूल पहुंची और उपद्रवियों को पकड़ लिया.

क्या है पूरा मामला ?

राज ठाकरे के नेतृत्व वाली मनसे द्वारा न्यू इंग्लिश हाई स्कूल पर हमला करने के बाद हिल लाइन पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें दावा किया गया कि उसने फीस वृद्धि को तर्कसंगत बनाने की उनकी दलीलों को नहीं सुना. छात्रों के माता-पिता ने शिकायत की थी कि स्कूल ने बिना किसी पूर्व सूचना के जून से कुछ फीस तीन गुना तक बढ़ा दी है. मनसे ने कहा, ''स्कूल ने चालू शैक्षणिक वर्ष में पहली से चौथी कक्षा तक अपनी फीस 10,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दी है, और पांचवीं कक्षा से आगे, जो सहायता प्राप्त श्रेणी में आती है, उसने फीस 4,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी है.''

स्कूल के सीईओ ने क्या कहा ?

स्कूल के सीईओ प्रकाश गुरनानी ने बताया, ''हमने फीस बढ़ा दी है लेकिन हम उन्हें स्कूल ड्रेस, जूते और अन्य चीजें भी दे रहे हैं. जो लोग उन्हें स्कूल से लेने में रुचि नहीं रखते हैं, हमने उन्हें बाहर से खरीदने के लिए कहा है और हम उन पर दबाव नहीं डाल रहे हैं.'' पिछले महीने, माता-पिता द्वारा मदद के लिए संपर्क करने के बाद बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड़ ने स्कूल का दौरा किया था.

मुंबई स्थित पांचों प्रवेश द्वारों का ठेका एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को महज २२४२.३५ करोड़ रुपए में दिया

मुंबई : वर्ष २००० के दौरान सरकारी तिजोरी के पैसों से अनेक फ्लाईओवरों का निर्माण किया गया था। लेकिन इसके बदले वसूले जानेवाले टोल का पैसा एक निजी कंपनी द्वारा गटके जाने का मामला सामने आया है। दरअसल, सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार, टोल का पैसा एमईपी नामकी निजी कंपनी की जेब में जा रहा है।

बता दें कि महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) ने टोल वसूलने के लिए मुंबई स्थित पांचों प्रवेश द्वारों का ठेका एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को महज २२४२.३५ करोड़ रुपए में दिया है। यह जानकारी अनिल गलगली द्वारा दायर की गई आरटीआई के तहत सामने आई है। वर्ष २०१०-११ से पहले, टोल का शुल्क एमएसआरडीसी स्वयं जमा कर रहा था। एमएसआरडीसी ने मुंबई में ३१ फ्लाईओवरों पर १,०५८ करोड़ ३४ लाख ६६ हजार ८८५ रुपए खर्च किए हैं और इसकी लागत पांचों प्रवेश द्वारों पर टोल बूथ बनाकर वसूल कर रही है। वर्ष २०१०-११ में एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को १९ नवंबर २०२६ तक टोल कलेक्शन का ठेका दिया गया था। इसके बदले में एमएसआरडीसी ने २,२४२.३५ करोड़ रुपए की रकम वसूल की थी।

अभिनेत्री ऋजुता देशमुख ने मुंबई-पुणे हाईवे पर यात्रियों से चल रही टोल वसूली का खुलासा किया है। ऋजुता ने कहा, मैंने ३१ जुलाई को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यात्रा की। आमतौर पर मुंबई से पुणे की यात्रा के दौरान खालापुर टोल बूथ पर २४० रुपए और तालेगांव टोल बूथ पर ८० रुपए टोल लिया जाता है। उन्होंने बताया कि जब मैं पुणे स्थित घर पहुंची तो मेरे पति को टोल के संबंध में एक संदेश मिला, जिसमें खालापुर के २४० और तालेगांव के ८० की जगह २४० रुपए टोल शुल्क काटे गए थे यानी कुल ४८० रुपए लिए गए। मैंने इसकी शिकायत की है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।' इस घटना के बाद जब वे अगले दिन मुंबई आए तो मैनेजर से पूछा तो उन्होंने बताया कि अब मुंबई से लोनावला २४० और लोनावला से पुणे २४० रुपए का टोल देना होता है।

सपा शासनकाल में प्रत्येक वर्ग को लाभान्वित करने वाली थीं योजनायें : गीता मिश्रा

राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर सेक्टर स्तर पर लगायी गयी जन पंचायत

ललितपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार 9 अगस्त को प्रदेश भर की सभी विधानसभाओं में सेक्टर स्तर पर जन पंचायत आयोजित कर सपा शासनकाल में हुये विकास कार्यों का ब्यौरा एकत्र करने के निर्देश जारी हुये थे। इसी क्रम में बुधवार को समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा के नेतृत्व में शहर के मोहल्ला नदीपुरा स्थित भीमनगर में जन पंचायत का आयोजन किया गया।

जन पंचायत के दौरान समाजवादी महिला सभा जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा ने बताया कि समाजवादी पार्टी की उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कुशल नेतृत्व में पांच वर्षों तक सरकार रही। सपा शासनकाल में गरीबों, युवाओं, व्यापारियों, किसानों और बेरोजगार युवाओं, छात्र-छात्राओं के लिए व्यापक पैमाने पर कार्य किये गये। उन्होंने बताया कि सपा सरकार में युवा सोच को प्राथमिकता देते हुये अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुये शिक्षा की ओर युवाओं को अग्रसर करने के लिए लैपटॉप, टेबलेट का वितरण

किया, तो वहीं छात्राओं के लिए कन्या विद्याधन योजना का संचालन किया। इसके अलावा गरीबों के लिए खाद्यान्न किट, समाजवादी पेंशन के अलावा अनेकों सुविधायें की गयी। वहीं व्यापारियों के लिए इंस्पेक्टर राज से छुटकारा और सामान लाने-ले जाने के लिए बेहतर सड़क व्यवस्थायें की गयीं।

किसानों को सिंचाई योजनाओं से लाभान्वित करते हुये तमाम सुविधायें मुहैया करायी गयीं। इसके अलावा महिलाओं को भी योजनाओं के माध्यम से जोड़ा गया। इसके अलावा जिन युवाओं को जब तक रोजगार नहीं मिलता, तब तक बेरोजगारी भत्ता दिया गया। इसके अलावा मेट्रो ट्रेन, आगरा एक्सप्रेस-वे जैसी बड़ी योजनाओं के साथ ललितपुर में बजाज पॉवर प्लाण्ट का संचालन भी सपा सरकार में किया गया। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में जनता अब समाजवादी पार्टी की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता शत्रुघन यादव ने कहा कि युवाओं को शिक्षा में नई तकनीकि से शिक्षा दिलाये जाने के लिए नवाचार किये गये। वहीं माताओं को समाजवादी पेंशन योजना से लाभान्वित किया गया। नीतेश रजक ने महिलाओं को संबोधित करते हुये एकजुट होकर वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध करने का आह्वान किया। संचालन कर रहे शाकिर अली ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में प्रत्येक वर्ग को लाभान्वित करने वाली योजनाओं का संचालन किया गया, जबकि वर्तमान सरकार समाजों को जोडने का नहीं तोडने का काम कर रहीं हैं। कार्यक्रम संयोजक सुमन अहिरवार ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों में गहरी आस्था रखते हुये कई महिलाओं को पार्टी से जोडने का काम किया गया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। इस दौरान सपा नेता मूरत सिंह यादव के अलावा अनेकों महिलायें भी मौजूद रहीं।

राष्ट्र निर्माण का संकल्प लें युवा : प्राचार्य

स्वतंत्रता प्राप्ति में महत्वपूर्ण पड़ाव था, भारत छोड़ो आन्दोलन : कैप्टन पंकज शर्मा

ललितपुर। 56, उ.प्र. एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल एच. एम. प्रिंजा के निर्देशन एवं नेहरू डिग्री कॉलेज और वर्णी जैन इ. कॉलेज ललितपुर के संयुक्त तत्वावधान में आज नेमवि प्रांगण में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ पर स्वतंत्रता संग्राम में भारत छोड़ो आंदोलन की महत्ता विषयक एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश नारायण द्विवेदी ने कहा कि भारत को 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली, लेकिन आजादी की कहानी बड़ी लंबी है। आजादी पाने के लिए कई वर्षों तक लंबी लड़ाई लड़ी गई, तब भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। इन्हीं में से एक था भारत छोड़ो आंदोलन।

भारत छोड़ो आंदोलन से अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिल गई थी। जिसके फलस्वरूप फिरंगियों को अंततः भारत को स्वतंत्र करना पड़ा। एनसीसी के कम्पनी कमांडर कैप्टन पंकज शर्मा ने भारत की आजादी में भारत छोड़ो आंदोलन की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कैडेटों को बताया कि अंग्रेजों के अत्याचार, बेतहाशा महंगाई की मार, द्वितीय विश्वयुद्ध में भारतीयों को जबरन झोंकने तथा जापान के भारत पर आक्रमण की प्रबल संभावना के तत्कालीन हालातों को देखते हुए 08 अगस्त 1942 को तत्कालीन बम्बई के ग्वालिया मैदान में गांधीजी के नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध अंतिम एवं निर्णायक आन्दोलन के रूप में भारत छोड़ो आंदोलन की घोषणा की गई। जिसमें उन्होंने जनता को करो अथवा मरो के मूलमंत्र का व्यापक नारा दिया।

किन्तु सरकार द्वारा अगले ही दिन आंदोलन को ध्वस्त करने की कठोर कार्यवाही के तहत गांधीजी सहित देश के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया, फलस्वरूप इस आंदोलन का नेतृत्व अब स्वयं किसानों, मजदूरों और नौजवानों के हाथों में आ गया, जिन्होंने अंग्रेजी सरकार की चूलें हिला दीं तथा देश के कई स्थानों पर अंग्रेजी शासन का नामोनिशान मिटाकर स्वतंत्र देशी सरकारों की स्थापना कर दी। भारतीयों के त्याग और बलिदानों से अंततः ब्रिटिश शासन को झुकना पड़ा और भारत को स्वतंत्रता देनी पड़ी। आज आवश्यकता है कि आजादी के अमृत महोत्सव पर हम देश की स्वतंत्रता एवम अखंडता के लिए घातक बन रहे गरीबी, बेरोजगारी, जातिवाद, क्षेत्रवाद भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के विरूद्ध भारत छोड़ो आंदोलन की, जिससे हमारा देश निर्बाध उन्नति के पथ पर अग्रसर हो।

ग्रापए का चालीसवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

ललितपुर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का ललितपुर 40 वां स्थापना दिवस श्री तुवन मंदिर प्रांगण में मनाया गया। जिसमें जिला महासचिव सम्राट राजा एड., अभिषेक अनौरा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सम्राट राजा ने ग्रापए के 40 वर्षो कार्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की स्व.बाबू बालेश्वर द्वारा 8 अगस्त 1982 को स्थापित हुआ आज पूरे प्रदेश में सबसे बड़ा संगठन अपना ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन है। इस बात से यह स्पष्ट होता है कि जिस लगन व मेहनत से आप काम करते है उसी का प्रतिफल है कि हम प्रदेश के बड़े संगठनों में एक है।

संगठन की मजबूती का ही परिणाम है कि हर जिले में जिलाधिकारी द्वारा गठित कमेटी में हमारे संगठन का एक सदस्य विशेष आमंत्रित सदस्य होता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता से अलग हटकर मिशन की भावना से जनहित में पत्रकारिता करें। जनहित की भावना से कार्य करना एक पत्रकार की जिम्मेदारी है। शासन या प्रशासन की कमियों को सार्वजनिक कर देश, प्रदेश व समाज हित हमारे लिए सर्वोपरि है।

वर्तमान में श्रीमान सौरभ कुमार जी के कुशल नेतृत्व में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा हे।

साथ ही प्रस्ताव पास किया गया कि जिनकी भी सदस्यता या संस्तुति जिलास्तर पर नही है उन्हे प्रदेश में कोई पद न दिया और न ही प्रदेश के ग्रुप में शामिल किया और अगर उन्हें अगर शामिल किया गया है तो तत्काल रिमूव किया जाए। तहसील अध्यक्ष भीष्म प्रताप सिंह बुंदेला के चाचा करन सिंह बुंदेला के निधन पर मौन धारण कर शोक व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विकास सोनी, तह. उपाध्यक्ष अमित कालरा, उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, तह. महासचिव समीरउद्दीन पठान, तह.सचिव तुलसीराम, तह. मिडिया प्रभारी चंद्रप्रताप सिंह बुन्देला, सुरेन्द्र निरंजन, बहादुर सिंह, संतोष कुमार,बलराम पचोरी, लवकुश तिवारी, रामेश्वरपाल, राजेन्द्र सिंह, चम्पालाल चाचा, कृष्णप्रताप सिंह, धरम सिंह, धर्मेंद्रप्रताप सिंह, दीपक यादव, बीपेंद्र प्रताप सिंह परमार, सोहिल खान, नासिर अली, राजेन्द्र साहू, सोहिव खान, आशीष सुहाने, रामरत्न राय, विक्रांत मोदी, संजय भोंडेले, जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

अमृत महोत्सव के समापन पर दिलायी गयी शपथ

एसपी ने किया पुलिस लाइन का निरीक्षण, दिये निर्देश

ललितपुर। शासन की मंशा के अनुरूप आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर मनाये जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के समापन अवसर पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया है। जिसके क्रम में प्रथम दिवस पर पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में मेरी माटी, मेरा देश एवं हर घर तिरंगा अभियान अवसर पर रिर्जव पुलिस लाइन में पुलिस अधीकारी/कर्मगण को अमृत काल के पंच प्रण एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्यों का निर्वहन करने की अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाई गयी। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त पुलिस कार्यालयों, थाना, चौकियों पर पुलिस अधिकारी, कर्मचारी गण को अमृत काल के पंच प्रण एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गयी। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन का भ्रमण किया गया। इस दौरान परिवहन शाखा का निरीक्षण कर चार पहिया वाहनों व बाइक का अवलोकन किया।

शाखा प्रभारी को वाहनों का सही ढंग से रखरखाव व समय-समय पर सर्विस और मरम्मत कराने के निर्देश दिये गये तथा चालकों को सही ढंग से वाहन चलाने की हिदायत दी गयी। भोजनालय, बारबर शॉप, धोवी शॉप तथा आरक्षी बैरकों का निरीक्षण किया गया। पुलिस लाइन में कण्डम बैरक में कोई भी अवैध रूप से निवास न करे इसके लिये क्षेत्राधिकारी लाइन व प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन इमरान अहमद, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भ्रष्ट अधिकारी, कर्मचारी सीधी को कर रहे हैं बदनाम

आये दिन रिश्वत लेते रंगे हांथों पकड़े जाते हैं भ्रष्टाचारी

रीवा संभाग में सबसे ज्यादा घूंस लेते पकड़ाये सीधी जिले के कर्मचारी

सीधी । जिले के भ्रष्ट नौकरशाह लगातार सीधी को बदनाम कर रहे हैं। आये दिन ऐसे भ्रष्टचारी रिश्वत लेते रंगे हांथों पकड़े जाते हैं। रीवा संभाग में सबसे ज्यादा सीधी जिले के कर्मचारी पकड़े जा रहे हैं। यह सिलसिला कुछ महीनों से थमने का नाम नहीं ले रहा है।

मालूम रहे कि कुछ महीने से सीधी जिले के भ्रष्ट अधिकारी एवं कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुये रंगे हांथों लोकायुक्त पुलिस टीम रीवा द्वारा पकड़ा जा रहा है। अब तो एक महीने में दो-तीन रिश्वतखोर रंगे हांथों ट्रैप हो रहे हैं। सीधी जिले में रंगे हांथो रिश्वत लेते हुये कुछ खास विभागों के अधिकारी-कर्मचारी लगातार ट्रैप हो रहे हैं, इनमें राजस्व विभाग आरंभ से ही शीर्ष पर बना हुआ है।

राजस्व विभाग से सबसे ज्यादा हल्का पटवारी रिश्वत लेते हुये पकड़े जा रहे हैं। इसके बाद पंचायत विभाग का न बर है। पंचायत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी रिश्वतखोरी के मामले में लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। विड बना यह है कि शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी इसी कड़ी में शामिल हो चुके हैं। तत्संबंध में जानकारों का कहना है कि रिश्वत आज नौकरशाहों के बीच शिष्टाचार बन चुका है। किसी भी विभाग में यदि आम आदमी अपना कार्य कराने के लिये जाता है तो यहां लिपिक से लेकर अधिकारी तक रिश्वत लेने के लिये काम में तरह-तरह के पेंच फंसाना शुरू कर देते हैं। आज स्थिति यह है कि 50

रूपए से लेकर 500 रूपए तक की रिश्वत आम आदमी के कामकाज में देने के लिये मजबूर है। कुछ ऐसे भी कार्य हैं जिसके लिये रिश्वत हजारों में मांगी जाती है। यह शुरूआत एक हजार रूपए से लेकर ऊपर तक है। सरकारी कार्यालयों में जाने पर वहां मौजूद चपरासी भी 50-100 रूपए रिश्वत की खुलेआम मांग करता है। चपरासी को रिश्वत देने के बाद वह काम कैसे आसानी से हो जायेगा इसके लिये पूरा रास्ता संबंधित व्यक्ति को बता देता है। सरकारी कार्यालयों में चपरासी से लेकर अधिकारी तक भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हुये हैं। उनके लिये कमाई का मु य जरिया रिश्वत ही हो चुकी है। नौकरशाह शासन से मिलने वाली मोटी पगार को अपनी आमदनी नहीं मानते। उनके लिये ऊपरी कमाई ही आमदनी का प्रमुख जरिया बन चुकी है।

इसी वजह से सीधी जिले में भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी में लिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रंगे हांथों पकड़े जाने का सिलसिला चल रहा है। लोकायुक्त पुलिस टीम की रेड कार्यवाई होने के बाद यह भ्रष्टाचार में डूबे नौकरशाहों में चर्चा का विषय तो बनती ही है लेकिन वह इससे बचने के लिये नये-नये तरकीब भी निकाल रहे हैं। नौकरशाहों में बढ़ती रिश्वतखोरी से सीधी जिले में आम जनता लगातार त्रस्त हो रही है। यह कब थमेगा इसका जवाब किसी के पास नहीं है। रिश्वतखोरी में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पकड़े जाने के बाद भी अन्य भ्रष्टाचारियों में कार्रवाई को लेकर कोई भी खौफ नजर नहीं आ रहा है।

रिश्वतखोरों पर सख्त कार्रवाई का बने कानून

नौकरशाहों में रिश्वत की बढ़ती हवस पर तभी अंकुश लग सकता है जब इसके लिये सरकार सख्त कानून बनाये। रिश्वतखोरी में रंगे हांथों पकड़े जाने वाले नौकरशाहों को बचाव के लिये आगे काफी अवसर उपलब्ध होते हैं इसी का फायदा उठाकर वह फिर से बहाल हो जाते हैं और दोगुनी रफ्तार से रिश्वत वसूलना शुरू कर देते हैं। सीधी जिले में जितने भी नौकरशाह रिश्वत लेते पकड़े गये है वह कुछ समय में आसानी से बहाल होकर फिर से पुराने ढर्रे में काम कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि नौकरशाहों में बढ़ती रिश्वतखोरी को लेकर शासन को स त कानून बनाना चाहिए। यदि कोई भी अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत लेते हुये रंगे हांथों पकड़ा जाता है तो जब तक न्यायालय से उसे राहत नहीं मिलती उसकी बहाली नहीं होनी चाहिए। न्यायालय से दोषसिद्ध होने वाले नौकरशाहों को सेवा से बर्खास्त करने के साथ ही उनके बकाया स्वत्वों के भुगतान पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। जिससे रिश्वतखोरी में लिप्त नौकरशाहों के जेहन में कानून का खौफ निर्मित हो और वह लोगों को परेशान कर रिश्वत की वसूली करना बंद कर दें।

सायबर ठगी का शिकार हुए शिक्षक

मोबाइल हैक कर बदमाशों ने शिक्षक के बैंक खाते से उड़ाई 8 लाख की राशि

बेटी की शादी के लिये स्टेट बैंक मुख्य शाखा से लिये गया था लोन, बदमाशों ने अलग-अलग खातों में ट्रांसफर की राशि

सीधी। साइबर क्राईम को लेकर पुलिस द्वारा लोगों के बीच भले ही जागरूकता फैलाई जा रही है लेकिन बदमाश भी नये-नये तरीके अपनाकर बैंक खाते से राशि उड़ाई जा रही है। ऐसे ही साइबर क्राईम में बदमाशों ने एक शिक्षक के मोबाइल को हैक कर करीब 8 लाख रूपए की राशि उड़ा ली।

सिटी कोतवाली थाना सीधी को दिये गये शिकायती आवेदन में शिक्षक दिनेश सिंह पिता स्व. मान सिंह निवासी जोगीबहरा थाना बहरी द्वारा कहा गया है कि बेटी के विवाह के लिये उनके द्वारा स्टेट बैंक मुख्य शाखा सीधी से 8 लाख 97 हजार 500 रूपए लोन लिया गया था। जिसके लिये बैंक ने पृथक से लोन खाता 21 जून 2023 को खोला था। उक्त लोन खाते से उनके द्वारा एक लाख रूपए अपने अन्य बैंक खाते में 21 जून 2023 को ट्रांसफर कर दिया गया था शेष 7 लाख 97 हजार 500 रूपए लोन खाते में शेष थे।

दिनांक 22 जुलाई 2023 को शिक्षक के उक्त लोन खाता से क्रमशः 4 लाख 95 हजार, 2 लाख 50 हजार एवं 15 हजार रूपए अलग-अलग बैंक खाते में स्वतः ही ट्रांसफर हो गया। इसकी जानकारी शिक्षक को मोबाइल पर आये एसएमएस के माध्यम से हुई। बदमाशों द्वारा शिक्षक के मोबाइल नम्बर को भी हैक कर लिया गया। कोई भी व्यक्ति शिक्षक के मोबाइल नम्बर पर कॉल करता है तो उसे हैकर द्वारा ही रिसीव किया जाता है। हैकर अभी भी शिक्षक के मोबाइल नम्बर से बात कर रहा है। उसके पास शिक्षक के पारिवारिक सदस्य के मोबाइल नम्बर भी मौजूद हैं। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा अभी तक अज्ञात बदमाशों के ऊपर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। करीब दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा न तो इसमें एफआईआर दर्ज की गई और न ही कोई कार्रवाई की गई।

सीएम हेल्पलाईन में दर्ज कराई गई शिकायत

सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा करीब 8 लाख रूपए मोबाइल हैक करके उड़ाने के मामले में अभी तक कोई सार्थक कार्रवाई न किये जाने से पीड़ित शिक्षक दिनेश सिंह द्वारा सीएम हेल्पलाईन में भी शिकायत दर्ज करायी गई है। उधर शिक्षक ने बताया कि इस मामले में साइबर पुलिस द्वारा बताया गया है कि हैकर बिहार धनबाद के हैं। जिनके द्वारा ऐसी घटनाओं को अक्सर अंजाम दिया जाता है। साइबर अपराधी काफी शातिर होते हैं। जिनकी लोकेशन ट्रेस करने में पुलिस को कई बार समय लगता है। पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों का सुराग लगाने के लिये अपने स्तर से प्रयास किये जा रहे हैं। उधर बताया गया है कि बैंक से लोन लेने वाले लोगों पर साइबर अपराधियों की खास नजर रहती है।

चुरहट के बाद सीधी में आम आदमी पार्टी ने भरी हुंकार

आम आदमी पार्टी के बदलाव यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित हुआ कार्यक्रम

सीधी। आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर बदलाव पदयात्रा सीधी शहर में किया गया। जिसमंर हजारों की संख्या में लोग का पहुंचना बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। बदलाव यात्रा का नेतृत्व पंजाब के रूपनगर से विधायक एवं मध्य प्रदेश के सह प्रभारी मानन दिनेश चड्ढा ने किया, प्रदेश अध्यक्ष एवं महापौर सिंगरौली रानी अग्रवाल के संरक्षण मे साथ अनेन्द मिश्रा राजन प्रदेश संयुक्त सचिव, आनन्द मंगल सिंह प्रदेश संयुक्त सचिव की विशेष उपस्थिति में तथा रामचरण सोनी जिला अध्यक्ष के मार्गदर्शन में बदलाव यात्रा का आयोजन किया गया।

बदलाव पदयात्रा पटेल पुल से शुरू हो कर बस स्टैंड, गांधी चौक, अस्पताल चौक होते हुए, सर्राफा बाजार, अमहा तिराहे मे समाप्त हो गई बदलाव पदयात्रा में उमड़े जनसैलाब को देखकर तीसरे विकल्प के रुप में आम आदमी पार्टी दिखी आम आदमी पार्टी दिल्ली माडल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, महिलाओं की फ्री बस यात्रा एवं ईमानदार राजनीति को लेकर जन

जन तक पहुंचने का प्रयास कर रही है और जनता भी आम आदमी पार्टी को हाथों हाथ ले रही है जिस तरह आम आदमी पार्टी का संगठन गांव गांव तक बन चुका है उसे देखते हुए आम आदमी पार्टी की मध्य प्रदेश में मजबूत दावेदारी मानी जा सकती है बदलाव पदयात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिनेश चड्ढा ने कहा है कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार आम जन की सरकार नहीं रह गई है।

उद्योगपतियो की पार्टी बन गई है खास तौर पर विन्धय में बड़े बड़े माइन्स होने के बाद भी यहां के लोगों को उसका फायदा नहीं मिल रहा है विन्धय में बिजली खूब पैदा हो रही है फिर भी यहां के लोगों को बिजली महगी मिल रही है जबकी दिल्ली में बिजली नहीं बनती फिर भी वहां के लोगों को बिजली फ्री मिल रही है यहां आदीवासी गरीब के साथ बहुत अन्याय हो रहा है भाजपा के नेता कभी किसी आदिवासी के ऊपर पेशाब करते हैं तो कभी भाजपा के विधायक पुत्र आदिवासी भाई के गोली चला देता है और फरार हो जाता है। मध्यप्रदेश में जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है तो आम जन की सुरक्षा कैसे होगी ये बड़ा ही गम्भीर बिषय है।

आप की बदलाव यात्रा में यह भी रहे शामिल

बदलाव पदयात्रा में प्रदेश संयुक्त सचिव जितेंद्र चौरसिया, ओबीसी बिंग के प्रदेश संयुक्त सचिव डा अरविंद पटेल, एक्स आर्मी बिंग के प्रदेश संयुक्त सचिव रामविलास विश्वकर्मा, महिला विंग की प्रदेश संयुक्त सचिव सीमा शर्मा, लोकसभा सचिव विद्या चरण शुक्ल, महिला अध्यक्ष अंजली सिंह, यूथ विंग अध्यक्ष साजन अग्रहरि, जिला संयुक्त सचिव ध्रुव तिवारी, ब्लाक अध्यक्ष यमुना सिंह, चन्द्रमा द्विवेदी, आशीष जयसवाल, रामपाल वंसल, सर्किल अध्यक्ष ठाकुर लाल सिंह, कौशल बहरोलिया, कृष्ण कुमार गुप्ता, संजय सिंह, विकास सिंह, नरेश सिंह, अनिकेत सिंह, राजकुमार कोरी, गणेश सिंह, भोला साकेत, पुष्पराज सिंह कुशराम, अमरेश पटेल, अमर सिंह, डी.एन. पाठक, कामता विश्वकर्मा, आदिवासी विंग मकरन्द सिंह सरपंच टमसार, अजय पनिका, हाजी निसार आलम के साथ हजारो लोगों की उपस्थिति रही।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 11 अगस्त 2023

थोड़ा वॉयलेंस थोड़ा प्यार... कुछ ऐसी होगी विजय देवरकोंडा - सामंथा रुथ प्रभु की 'खुशी'

विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म ह्रकुशीह्व का ट्रेलर आखिरकार देश भर में रिलीज हो चुका है. हैदराबाद में हुए एक भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान फिल्म की कास्ट, क्रू और मीडिया की उपस्थिति के बीच ट्रेलर की झलक दिखाई गई. इस इवेंट में देश भर से 300 से अधिक जर्नलिस्ट शामिल हुए और जो कुशी की खूबसूरत दुनिया के दीवाने हो गए. फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को आराध्या और विप्लव की दिल छू लेने वाली दुनिया में ले जाता है, जो रोमांस की एक रिलेटेबल लेकिन खूबसूरत दुनिया बनाते हैं और सभी को अपने प्यार के सफर में ले जाते हैं. हालांकि जिंदगी की तरह इस सफर में भी उतार-चढ़ाव, संघर्ष और कुछ खट्टे-मीठे पल शामिल हैं. ट्रेलर में विजय और सामंथा की जबरदस्त केमिस्ट्री दर्शकों को इतना भा जाएगी कि उन्हें इस जोड़ी से प्यार होने में जरा भी वक्त नही लगेगा. ये ट्रेलर 'मर, आकर्षक म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स के साथ इंटेंस इमोशन्स का एक आदर्श कॉम्बिनेशन है. इसमें बेहद टैलेंटेड सपोर्टिंग कास्ट में मुरली शर्मा और सचिन खेडेकर जैसे नाम भी नजर आए हैं. कुशी का म्यूजिक पहले ही चार्ट्स में टॉप पर है और प्यार में विश्वास करने वाले हर व्यक्ति की प्लेलिस्ट का हिस्सा बना हुआ है. शिव निर्वाण द्वारा लिखित और निर्देशित और माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में दिलों को खुश करने और 'प्यार' का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है.

सिल्वर स्क्रीन पर दो धमाके

11 अगस्त का दिन बॉलीवुड के इतिहास में ऐसा दिन दर्ज होने वाला है, जहां लोग इस बात को सोचने पर मजबूर होंगे कि वो किस फिल्म को देखने के लिए जाएं। दोनों ही फिल्में पहले आ चुकी फिल्मों की सिक्वल हैं। दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़े थे। अब लोग यही देखने को बेचैन हैं कि क्या इतिहास अपने आपको दोहरा पता है या नहीं।

बता दें कि 11 अगस्त को बॉलीवुड की 2 बड़े बजट की फिल्में रिलीज हो रही हैं। गदर-2 और ओएमजी-2। दोनों ही फिल्मों का दर्शकों ने लम्बे समय से इंतजार किया है। इस समय सनी देओल और अमिषा पटेल अपनी फिल्म के प्रमोशन में कोई कमी नहीं छोड़ रहे। वहीं, अक्षय कुमार द्वारा इस फिल्म के प्रमोशन का यूं तो कोई खास प्रयास नहीं किया गया, लेकिन अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर ओएमजी 2 फिल्म की टिकट खरीदने पर 250 रुपए के कूपन का अनाउंसमेंट जरूर किया है।

जहां, सनी देओल अपनी एक्शन थ्रिल एक्टिंग के लिए मशहूर हैं। वहीं, ओएमजी 2 में लीड रोल निभा रहे पंकज त्रिपाठी अपनी संजीदा एक्टिंग और अपनी दमदार डायलॉग डिलीवरी के लिए मशहूर हैं। इसी तरह की 2 बड़ी फिल्मों का टकराव एक बार पहले भी हुआ था, जब 2012 में शाहरुख खान की 'जब तक है जान' और अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार' रिलीज हुई थी। उसके बाद से ही निमार्ता अक्सर अपनी फिल्मों को किसी दूसरी बड़ी फिल्म के साथ रिलीज करने से कतराते हैं। अब यह देखने वाली बात है कि कौन सी फिल्म दर्शकों को अपने थियेटर तक खींचने में सफल हो पाती है। क्योंकि दोनों ही फिल्मों के जब से टीजर रिलीज हुआ है, तभी से दोनों ही फिल्मों पर सेंसर की कैंची चलने की वजह से दोनों ही फिल्में विवादों में घिरी हुई हैं। सिनेमाघरों में हालांकि पहले दिन की बुकिंग के लिए अभी से लोगों ने टिकट बुक करवानी शुरू कर दी है और दोनों ही फिल्मों के शो हाउस फुल जा रहे हैं।

मिस्टर इंडिया और नो एंट्री की वापसी !

पिछले कुछ वर्षों से फिल्म मिस्टर इंडिया और नो एंट्री जैसी फिल्म का सीक्वल बनने की खबरें आ रही हैं। हालांकि उस दिशा में कोई ठोस प्रयास होता नहीं दिख रहा। हालांकि इन फिल्मों के निमार्ता बोनी कपूर का कहना है कि इन फिल्मों का सीक्वल जरूर बनेगा। दैनिक जागरण साथ बातचीत में उन्होंने कहा इन फिल्मों का सीक्वल बनाए बिना मैं मरूंगा नहीं।

पिछले कुछ वर्षों से फिल्म मिस्टर इंडिया और नो एंट्री जैसी फिल्म का सीक्वल बनने की खबरें आ रही हैं। हालांकि उस दिशा में कोई ठोस प्रयास होता नहीं दिख रहा। हालांकि इन फिल्मों के निमार्ता बोनी कपूर का कहना है कि इन फिल्मों का सीक्वल जरूर बनेगा। उन्होंने कहा, इन फिल्मों का सीक्वल बनाए बिना मैं मरूंगा नहीं। हालांकि यह कब होगा इसके बारे में उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। बहरहाल बोनी अब अपनी अगली फिल्म मैदान की रिलीज की तैयारियों में जुटे हैं। अजय देवगन अभिनीत यह फिल्म भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कोच और मैनेजर सैयद अब्दुल रहीम की बॉयोपिक है। यह फिल्म बनाना बोनी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। बोनी के मुताबिक यह फिल्म कोरोना काल में बन रही थी। इस दौरान फिल्म का सेटअप कई बार हटाया गया। फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपये से बढ़कर 250 करोड़ रुपये पहुंच गया। मैदान में अजय देवगन के साथ प्रियामणि, गजराज राव जैसे सितारे भी मुख्य भूमिका में हैं। अमित शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म वर्ष 1952 और 1962 के बीच भारतीय फुटबाल के स्वर्ण युग पर आधारित है। फिल्म की रिलीज तारीख की जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .